भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 825
शुक्रवार, 05 फरवरी, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

ऑटोमेटेड मौसम विज्ञान केंद्र

825. श्री कपिल मोरेश्वर पाटील:
श्री अनुभव मोहंती:
श्री नामा नागेश्वर राव:
श्रीमती रक्षा निखिल खाडसे:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) द्वारा स्थापित किए जा रहे ऑटोमेटेड मौसम विज्ञान केंद्र (ए.डब्ल्यू.एस.) की मुख्य विशेषताएं क्या है;
(ख) ए.डब्ल्यू.एस. संख्या कितनी है तथा आज की तिथि के अनुसार तेलंगाना सहित संपूर्ण देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और स्थान-वार कार्यशील और अकार्यशील ए.डब्ल्यू.एस. की संख्या कितनी है;
(ग) क्या सरकार का वर्तमान में कार्यरत दो संस्थानों के अतिरिक्त मौसम पूर्वानमुान के लिए उचित और सटीक भविष्यवाणियां करने के लिए और अधिक संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव है तथा मौसम के पूर्वानुमान को और अधिक आधुनिक बनाने के लिए नए उन्नत प्रौद्योगिकी उपकरणों को जोड़ना चाहती है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार को तेलंगाना राज्य सरकार से ए.डब्ल्यू.एस. की स्थापना करने संबंधी मांग का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
(ङ) ऐसे ए.डब्ल्यू.एस. के रखरखाव के लिए उत्तरदायी निगरानी एजेंसी का ब्यौरा क्या है; और
(च) सरकार द्वारा मौसम पूर्वानुमान, जो भविष्यवाणियों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, में सुधार करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान और
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देश में संस्थापित किए जाने वाले स्वचालित मौसम केंद्रों की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

1. मौसम मापदण्डों का अधिग्रहण एवं प्रतिचयन (दाब, तापमान, सापेक्षित आर्द्रता, वायु गति / दिशा)।
2. कृषि-स्वचालित मौसम केंद्रों द्वारा उपरोक्त मौसम मापदण्डों के अतिरिक्त मृदा तापमान एवं नमी के नमूनों का अधिग्रहण ।
3. वास्तविक समय मौसम डेटा की प्रोसेसिंग करना तथा प्रत्येकघंटे / प्रत्येक10 मिनट पर उसे आईएमडी एडब्ल्यूएस वेब सर्वर पर देखने / डाउनलोड करने तथा मौसम पूर्वानुमान में प्रयोग करने के लिए प्रसारित करना।

(ख) आज की तिथि में देश में तेलंगाना समेत राज्य / संघ प्रदेशवार सक्रिय और गैर-सक्रिय स्वचालित मौसम केंद्रों की निम्न सूची इस प्रकार है;

क्र.सं.	राज्य	कुल	सक्रिय	गैर-सक्रिय
1	अंडमान एवं निकोबार	2	1	1
2	आंध्र प्रदेश	23	15	8
3	अरुणाचल प्रदेश	16	1	15
4	असम	27	15	12
5	बिहार	29	15	14
6	चंडीगढ़	2	2	0
7	छत्तीसगढ़	19	3	16
8	दमन और दीव	2	0	2
9	दिल्ली	11	8	3
10	गोवा	3	3	0
11	गुजरात	36	15	21
12	हरियाणा	26	15	11
13	हिमाचल प्रदेश	23	17	6
14	जम्मू एवं कश्मीर	23	17	6
15	झारखंड	16	6	10
16	कर्नाटक	27	18	9
17	केरल	30	21	9
18	लद्दाख	4	4	0
19	लक्षद्वीप	1	0	1
20	मध्य प्रदेश	52	7	45
21	महाराष्ट्र	50	26	24
22	मणिपुर	10	1	9
23	मेघालय	7	5	2
24	मिजोरम	8	1	7
25	नागालैण्ड	10	1	9
26	ओडिशा	37	25	12
27	पुडुचेरी	2	2	0
28	पंजाब	25	12	13
29	राजस्थान	41	15	26
30	सिक्किम	4	2	2
31	तमिलनाडु	38	26	12
32	तेलंगाना	**12**	**7**	**5**
33	त्रिपुरा	4	1	3
34	उत्तराखंड	25	13	12
35	उत्तर प्रदेश	52	15	37
36	पश्चिम बंगाल	27	15	12
	योगफल	**724**	**350**	**374**

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग पहले से ही कुछ पुराने एवं गैर-सक्रिय स्वाचालित मौसम केंद्रों के स्थामन पर नये केंद्र स्थापित कर रहा है।

(क) जी, नहीं।
पूरे देश में मौसम पूर्वानुमान क्षमताओं के विस्तार के लिए मंत्रालय की अम्ब्रेला योजना "वायुमंडल एवं जलवायु अनुसंधान – मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणालियां एवं सेवाएं (अक्रॉस)" के अन्तर्गत भारतीय मौसम विज्ञान विभाग में विभिन्न कार्यक्रम क्रियान्वित किए जा रहे हैं। अक्रॉस के अन्तर्गत परियोजनाओं में समेकित रूप में विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं, ताकि मौसम पूर्वानुमान सेवाओं के लिए जरूरी सुविधाओं के प्रेक्षण एवं सुधार का निर्वाह एवं विस्तार सुनिश्चित किया जा सके। देशभर में विभिन्न कार्यालयों/प्रभागों द्वारा इन कार्यक्रमों का कार्यान्वित किया जा रहा है, तथा अधिकांश कार्यक्रमों के परिणाम समग्र देश एवं समाज के सभी वर्गों के लाभ के लिए हैं।

(ख) जी, नहीं।

(ग) भारतीय मौसम विज्ञान विभागअपने द्वारा संस्थापित किए जाने वाले स्ववचालित मौसम केंद्रों की मॉनिटरिंग एवं रखरखाव के लिए जिम्मेदार है।

(घ) भारतीय मौसम विज्ञान विभाग में मौसम प्रसारण / प्रसार में सुधार एक सतत प्रक्रिया है। वर्तमान में उपयोगकर्ताओं समेत आपदा प्रबंधकों को नियमित रूप से ईमेल द्वारा पूर्वानुमानों एवं चेतावनियों का प्रसारण या प्रसार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आपदा प्रबन्धकों एवं आईएमडी अधिकारियों के व्हाट्सऐप समह बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से ये पूर्वानुमान एवं चेतावनियां भेजी जाती हैं। पूर्वानुमान एवं चेतावनियों को सभी सम्बन्धित लोगों के संदर्भ हेतु सोशल मीडिया एवं आईएमडी वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को एसएमएस के माध्यंम से भी विषम मौसम से संबंधित तात्कालिक पूर्वानुमान भेजे जाते हैं तथा वेबसाइट के तात्कालिक पूर्वानुमान पेज पर अपलोड किए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, जरूरत पड़ने पर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी की जाती है एवं उसे उपरोक्त वर्णित सभी प्लेटफॉर्म पर भी प्रेषित किया जाता है।

इसके, अतिरिक्त वर्ष 2020 में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मौसम पूर्वानुमान के लिए 'मौसम' मोबाइल ऐप, कृषि-मौसम परामर्श प्रसार के लिए 'मेघदूत' तथा आकाशीय बिजली के लिए दामिनी नामक मोबाइल ऐप तैयार किए हैं।

उपरोक्त के अलावा आईएमडी ने आम जनता के उपयोग हेतु हाल ही में 'उमंग' मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी सात सेवाएं लॉन्च की हैं।

******